सांध्यकालीन पाठ्यक्रम

Evening Programme

पाठ्यक्रम विवरणिका

Prospectus

केंद्रीय हिंदी संस्थान, मुख्यालय आगरा

KENDRIYA HINDI SANSTHAN, HEAD OFFICE : AGRA

हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा-282005 (उ.प्र.)

Hindi Sansthan Marg, Agra-282005 (U.P.)

केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र

KENDRIYA HINDI SANSTHAN, DELHI CENTRE

बी-26ए, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-110016

B-26A, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

Kendriya Hindi Sansthan, Agra

डाक द्वारा मूल्य रु. 250/- मात्र

वेबसाइट से आवेदन पत्र लेने पर रु. 200/- मात्र

विशेष नोट : ड्राफ्ट किसी भी राष्ट्रीयकृत बैंक का होना चाहिए। मुख्यालय आगरा के लिए **'सचिव, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा'** तथा दिल्ली केंद्र के लिए **'सचिव केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, दिल्ली'** के नाम से देय होगा।

आवेदनपत्र डाउनलोड करने के लिए लिंक : www.khsindia.org

मोबाइल नं. : प्रवेश एवं परीक्षा विभाग- 7500009626 (आगरा)
8800506009 (दिल्ली)

फैक्स : 0562-2530683

© केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

केंद्रीय हिंदी संस्थान, हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा-282005 द्वारा प्रकाशित और मैसर्स राष्ट्रभाषा ऑफसेट प्रेस, राजा की मंडी, आगरा-282002 से मुद्रित

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा वर्ष 1961 में स्थापित स्वायत्त संगठन **केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल** द्वारा संचालित अखिल भारतीय स्तर की एक स्वायत्तशासी शैक्षिक संस्था है।

संस्थान का मुख्यालय आगरा में स्थित है। इसके आठ केंद्र इन नगरों में सक्रिय हैं- दिल्ली (1970), हैदराबाद (1976), गुवाहाटी (1978), शिलांग (1987), मैसूर (1988), दीमापुर (2003), भुवनेश्वर (2003), तथा अहमदाबाद (2006)।

हिंदी भारत की एकता की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। आधुनिक भारत के लिए राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ा मूल्य है, जो केंद्रीय हिंदी संस्थान के हर कार्यक्रम के मूल में विद्यमान है। इसी को ध्यान में रखकर केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल ने अपने सहमति पत्र (मेमोरेंडम) में कुछ संकल्प एवं कार्य निर्धारित किए हैं, जो इस प्रकार हैं-

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के कार्य

(i) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 351 के अनुपालन में अखिल भारतीय भाषा के रूप में हिंदी का विकास करते हुए ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तुत, संचालित एवं उपलब्ध कराना जो इस भाषा के विकास और प्रसार की दृष्टि से उपयोगी हों। (ii) विभिन्न स्तरों पर हिंदी शिक्षण की गुणवत्ता सुधारना, हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, हिंदी भाषा और साहित्य के उच्चतर अध्ययन का प्रबंध करना तथा हिंदी के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक भाषावैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करना और हिंदी भाषा एवं शिक्षण विषयक विविध अनुसंधान कार्यों का आयोजन करना। (iii) विद्यार्थियों को रहने के लिए छात्रावासों का निर्माण, निरीक्षण एवं नियंत्रण करना (iv) अपने विभिन्न पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की परीक्षा लेना तथा उपाधि प्रदान करना। (v) विभिन्न स्तर की पाठ्य पुस्तकें और अनुसंधान पुस्तकें तैयार करना और प्रकाशित करना। (vi) संस्थान के उद्देश्यों के अनुपालन में आवश्यकतानुसार पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन कराना।(vii) संस्थान की प्रकृति एवं उद्देश्यों के अनुरूप अन्य उन संस्थाओं के साथ जुड़ना या सदस्यता ग्रहण करना या सहयोग करना या सम्मिलित होना जिनके उद्देश्य संस्थान के उद्देश्यों से मिलते-जुलते हों। (viii) समय-समय पर नियमानुसार अध्येतावृत्ति (फैलोशिप), छात्रवृत्ति और पुरस्कार, सम्मान पदक की स्थापना कर हिंदी से संबंधित कार्यों को प्रोत्साहित करना आदि।

संस्थान के कार्यक्षेत्र

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपर्युक्त संकल्पों, उद्देश्यों एवं कार्यों को संपन्न करने के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान ने अपनी गतिविधियों का निरंतर विस्तार किया है, जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

1. शिक्षणपरक कार्यक्रम

(क) विदेशी विद्यार्थियों के लिए हिंदी शिक्षण

भारत सरकार की (विदेशों में) हिंदी प्रचार-प्रसार योजना एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान के अंतर्गत चुने गये विदेशी छात्रों के लिए मुख्यालय आगरा और दिल्ली केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं-

- हिंदी भाषा दक्षता प्रमाण पत्र - 100
- हिंदी भाषा दक्षता डिप्लोमा - 200
- हिंदी भाषा दक्षता उच्च डिप्लोमा - 300
- हिंदी स्नातकोत्तर डिप्लोमा - 400

दिल्ली केंद्र के अंतर्गत उपर्युक्त पाठ्यक्रमों (1 से 3 तक) का संचालन स्ववित्त पाठ्यक्रम योजना के अंतर्गत किया जाता है। उक्त सभी पाठ्यक्रम आईसीसीआर के माध्यम से कोलंबो (श्रीलंका) में भी संचालित किए जाते हैं।

(ख) सांध्यकालीन पाठ्यक्रम (स्व-वित्तपोषित)

संस्थान के मुख्यालय आगरा और दिल्ली केंद्र के अंतर्गत निम्नलिखित सांध्यकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किए जाते हैं-

- पोस्ट एम. ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा
- स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा
- स्नातकोत्तर जनसंचार एवं पत्रकारिता डिप्लोमा

2. शिक्षक-प्रशिक्षण परक कार्यक्रम

(क) हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए अध्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम-

हिंदीतर भाषी क्षेत्रों के हिंदी शिक्षकों और हिंदी सीखने के लिए इच्छुक विद्यार्थियों के लिए मुख्यालय के **अध्यापक शिक्षा विभाग** के अंतर्गत कक्षा-शिक्षण माध्यम से नियमित एकवर्षीय तथा द्विवर्षीय प्रशिक्षणपरक पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जो इस प्रकार हैं -

- **हिंदी शिक्षण निष्णात**- एम.एड. स्तरीय पाठ्यक्रम (आगरा) (द्विवर्षीय)
- **हिंदी शिक्षण पारंगत**- बी.एड. स्तरीय पाठ्यक्रम (आगरा) (द्विवर्षीय)
- **हिंदी शिक्षण प्रवीण**- बी.टी.सी./डी.एल.एड. स्तरीय पाठ्यक्रम (आगरा, दीमापुर) (द्विवर्षीय)
- **त्रिवर्षीय हिंदी शिक्षण डिप्लोमा**- 'राजकीय हिंदी संस्थान', दीमापुर (नागालैंड) त्रिवर्षीय हिंदी शिक्षण डिप्लोमा पाठ्यक्रम के अंतर्गत प्रथम और द्वितीय वर्ष का अध्ययन पूरा कर लेने के बाद वहाँ के विद्यार्थियों के लिए तृतीय वर्ष का शिक्षण कार्य केंद्रीय हिंदी संस्थान आगरा में होता है।
- **विशेष गहन हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम (दीमापुर) -** यह पाठ्यक्रम भारत के उत्तर पूर्वी राज्यों के अप्रशिक्षित हिंदी अध्यापकों के लिए है।

3. नवीकरण एवं संवर्धनात्मक कार्यक्रम

हिंदीतर राज्यों के अध्यापकों के लिए केंद्रों द्वारा नवीकरण कार्यक्रम चलाए जाते हैं। इसका मार्गदर्शन नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग तथा शैक्षणिक समन्वयक कार्यालय करता है। नवीकरण एवं भाषा प्रसार विभाग गुजरात, कर्नाटक, असम, मिजोरम और मणिपुर राज्य के हिंदी प्रशिक्षण महाविद्यालयों के छात्रों के लिए 30 दिवसीय भाषा संवर्धनात्मक कार्यक्रम तथा सिक्किम राज्य के लिए 21 दिवसीय नवीकरण कार्यक्रम आगरा में चलाता है। राज्य सरकारों द्वारा प्रतिनियुक्त अध्यापक राज्यानुसार केंद्रीय हिंदी संस्थान के निम्नलिखित विवरण के अनुसार केंद्रों में नवीकरण कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करते हैं-

- **दिल्ली केंद्र-** पंजाब, जम्मू-कश्मीर एवं हिमाचल (आदिवासी क्षेत्र) राज्यों के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **हैदराबाद केंद्र**- आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, महाराष्ट्र एवं केंद्र शासित पांडिचेरी एवं अंडमान निकोबार द्वीप समूह के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **गुवाहाटी केंद्र-** असम, अरुणाचल प्रदेश एवं सिक्किम के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **शिलांग केंद्र-** मेघालय एवं मिजोरम के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **मैसूर केंद्र-**कर्नाटक, केरल और केंद्र शासित लक्षद्वीप के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **दीमापुर केंद्र-**नागालैंड, मणिपुर के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **भुवनेश्वर केंद्र-**उड़ीसा, छत्तीसगढ़ के हिंदी अध्यापकों के लिए
- **अहमदाबाद केंद्र-**गुजरात, दमन दीव तथा दादर और नागर हवेली के हिंदी अध्यापकों के लिए

4. अनुसंधानपरक कार्यक्रम

केंद्रीय हिंदी संस्थान का एक प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित क्षेत्रों में अनुसंधान कार्यों को निरंतर अग्रसर करना है-

- हिंदी शिक्षण की अधुनातन प्रविधियों के विकास के लिए शोध
- हिंदी भाषा और अन्य भारतीय भाषाओं का तुलनात्मक व्यतिरेकी अध्ययन
- हिंदी भाषा और साहित्य के क्षेत्र में आधारभूत एवं अनुप्रयुक्त अनुसंधान
- हिंदी भाषा के आधुनिकीकरण और भाषा-प्रौद्योगिकी के विकास के उद्देश्य से अनुसंधान
- हिंदी का समाज भाषावैज्ञानिक सर्वेक्षण और अध्ययन
- प्रयोजनपरक हिंदी से संबंधित शोध कार्य

उपर्युक्त अनुसंधानपरक कार्यों के दौरान द्वितीय भाषा एवं विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी शिक्षण सामग्री का निर्माण भी संस्थान द्वारा किया जाता है।

5. शिक्षण सामग्री निर्माण और भाषा विकास

केंद्रीय हिंदी संस्थान शिक्षण-प्रशिक्षण और अनुसंधान के अलावा हिंदीतर राज्यों के विद्यार्थियों के लिए हिंदी पाठ्य-पुस्तकों, कोश और आधुनिक तकनीक का प्रयोग करते हुए हिंदी शिक्षण के लिए उपयोगी सामग्री का निर्माण करता है-

(i) हिंदीतर राज्यों और जनजाति क्षेत्र के विद्यालयों के लिए हिंदी शिक्षण सामग्री निर्माण

(ii) हिंदीतर राज्यों के लिए हिंदी के व्यतिरेकी व्याकरण एवं द्विभाषी अध्येता कोशों का निर्माण

(iii) विदेशी भाषा के रूप में हिंदी शिक्षण पाठ्यपुस्तकों का निर्माण

(iv) कंप्यूटर साधित हिंदी भाषा शिक्षण सामग्री का निर्माण

(v) दृश्य-श्रव्य माध्यमों से हिंदी शिक्षण संबंधी पाठ्य सामग्री का निर्माण

(vi) हिंदी तथा अन्य भारतीय भाषाओं के द्विभाषी/त्रिभाषी शब्दकोशों का निर्माण

(क) प्रकाशन

संस्थान द्वारा हिंदी भाषा एवं साहित्य, भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, तुलनात्मक एवं व्यतिरेकी अध्ययन, भाषा एवं साहित्य शिक्षण, कोश विज्ञान, द्विभाषी कोश आदि से संबद्ध विभिन्न विषयों पर उपयोगी पुस्तकों का प्रकाशन किया गया है। अब तक 200 से अधिक पुस्तकें संस्थान द्वारा प्रकाशित की जा चुकी है। साथ ही विभिन्न स्तरों एवं अनेक प्रयोजनों की पाठ्यपुस्तकों तथा अध्यापक निर्देशिकाओं का भी प्रकाशन किया गया है। संस्थान द्वारा निम्नलिखित पत्रिकाओं का प्रकाशन किया जा रहा है-

1. **गवेषणा-** अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान हिंदी शिक्षण और आलोचना की त्रैमासिक पत्रिका
2. **संवाद पथ-** जनसंचार एवं पत्रकारिता केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
3. **समन्वय पूर्वोत्तर-** पूर्वोत्तर राज्य की साहित्य एवं संस्कृति केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
4. **समन्वय दक्षिण-** दक्षिण भारत की साहित्य एवं संस्कृति केंद्रित पत्रिका
5. **समन्वय पश्चिम**- पश्चिम भारत की साहित्य एवं संस्कृति केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
6. **प्रवासी जगत-** प्रवासी जगत का साहित्य-साहित्यकार, संस्कृति केंद्रित हिंदी में प्रकाशित त्रैमासिक पत्रिका
7. **शैक्षिक उन्मेष-** शिक्षा जगत में नवोन्मेष केंद्रित त्रैमासिक पत्रिका
8. **भावक-** हिंदी साहित्य की त्रैमासिक पत्रिका (प्रस्तावित)

संस्थान का त्रैमासिक बुलेटिन है- **संस्थान समाचार**

इनके अलावा विभिन्न विभागों के विद्यार्थियों की पत्रिकाएँ **हिंदी विश्व भारती** और **समन्वय** का प्रकाशन वार्षिक रूप से होता है।

(ख) प्रमुख परियोजनाएँ

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के द्वारा संचालित कुछ प्रमुख परियोजनाएँ इस प्रकार हैं-

1. हिंदी कॉर्पोरा परियोजना- केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा एवं भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी की प्रकाशित पुस्तकों के माध्यम से हिंदी कॉर्पोरा परियोजना के अंतर्गत तीन करोड़ से ऊपर शब्दों का संकलन किया जा चुका है। इस संकलित सामग्री का उपयोग करते हुए संस्थान द्वारा **हिंदी की आधारभूत शब्दावली** (2008)और **हिंदी क्रिया विशेषण शब्दकोश** (2009) का निर्माण किया जा चुका है। वर्तमान में इस परियोजना के अंतर्गत शिक्षार्थी केंद्रित विभिन्न प्रकार के कोशों तथा हिंदी वर्तनी परीक्षक का निर्माण किया जा रहा है।

2. भाषा-साहित्य सी.डी. निर्माण परियोजना- हिंदी को हिंदी शिक्षार्थियों और हिंदी प्रेमी आम जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से इस परियोजना के अंतर्गत साहित्यकारों के जीवन और कृतित्व पर आधारित ऑडियो, वीडियो के साथ-साथ हिंदी भाषाशिक्षण के मल्टीमीडिया कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। परियोजना के अंतर्गत अभी तक सूर्यकांत त्रिपाठी निराला, अज्ञेय, त्रिलोचन और फिराक गोरखपुरी की रचनाओं पर आधारित ऑडियो सी.डी. तैयार की जा चुकी हैं। महादेवी वर्मा के जीवन और कृतित्व पर आधारित एक वीडियो वृत्तचित्रः 'पंथ होने दो अपरिचित' का भी निर्माण किया गया है और **नज़ीर अकबराबादी** के जीवन और कृतित्व पर आधारित एक अन्य वीडियो वृत्तचित्र निर्माण के अंतिम चरण में है।

3. हिंदी लोक शब्दकोश परियोजना -हिंदी लोक शब्दकोश परियोजना के अंतर्गत हिंदी परिवार की 48 लोकभाषाओं के 48 खंडों में शब्द कोशों का निर्माण होना है। इस योजना के प्रथम चरण के अंतर्गत भोजपुरी, ब्रजभाषा, राजस्थानी, छत्तीसगढ़ी, बुंदेली, अवधी, मालवी कांगड़ी, गढ़वाली, मगही और हरियाणवी लोकभाषाओं के त्रिभाषी, यूनिकोडित डिजिटल लोक शब्दकोशों का निर्माण कार्य किया जा रहा है।

4. लघु हिंदी विश्वकोश परियोजना -लघु हिंदी विश्वकोश परियोजना के अंतर्गत विभिन्न विषय क्षेत्रों से संबंधित लगभग 15000 संक्षिप्त प्रविष्टियों वाले छात्रोपयोगी विश्वकोश का निर्माण किया जा रहा है।

6. विस्तारपरक कार्यक्रम

(i) संस्थान के मुख्यालय सहित विभिन्न केंद्रों में संपर्क, समन्वयन और वैचारिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से **विशेष विस्तार व्याख्यान एवं कार्यशालाओं** का आयोजन करना।

(ii) संस्थान के विभिन्न केंद्रों और मुख्यालय में हर साल अखिल भारतीय संवाद एवं व्यापक भाषाई सांस्कृतिक आदान-प्रदान के उद्देश्य से प्रतिवर्ष **भाषाविज्ञान, हिंदी साहित्य, हिंदी शिक्षण, पत्रकारिता, भाषा प्रौद्योगिकी**, **मीडिया** आदि पर राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन करना।

(iii) हिंदीतर भाषी राज्यों के हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण महाविद्यालयों एवं प्रचार संस्थाओं के छात्राध्यापकों के लिए प्रतिवर्ष अखिल भारतीय **हिंदी वाद-विवाद, निबंध लेखन एवं कविता आवृत्ति** प्रतियोगिताओं का आयोजन करना।

(iv) विद्यार्थियों के लिए सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन, प्रादेशिक एवं विश्व के विभिन्न देशों के लोक संगीत, नृत्य एवं लघु नाटक प्रतियोगिताओं का आयोजन।

(v) संस्थान मुख्यालय आगरा एवं इसके आठ केंद्रों द्वारा वहाँ के क्षेत्रीय महाविद्यालयों के सहयोग से लघु बजटीय संगोष्ठियों का आयोजन करना।

(vi) स्थानीय नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति एवं हिंदी शिक्षण संस्थाओं का सहयोग करना।

7. हिंदी सेवी सम्मान योजना

यह योजना सन् 1989 में प्रारंभ हुई। इसके अंतर्गत राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी के उन्नयन, विकास एवं प्रचार-प्रसार हेतु उत्कृष्ट कार्यों के लिए हर वर्ष 26 समर्पित विद्वानों को संस्थान द्वारा पाँच लाख रूपए, शॉल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित/पुरस्कृत किया जाता है। इन पुरस्कारों का विवरण निम्न प्रकार है-

(i) गंगाशरण सिंह पुरस्कार

(ii) गणेश शंकर विद्यार्थी पुरस्कार

(iii) आत्माराम पुरस्कार

(iv) सुब्रहमण्य भारती पुरस्कार

(v) महापंडित राहुल सांकृत्यायन पुरस्कार

(vi) डॉ. जार्ज ग्रियर्सन पुरस्कार

(vii) पद्मभूषण डॉ. मोटूरि सत्यनारायण पुरस्कार

(viii) सरदार बल्लभ भाई पटेल पुरस्कार

(ix) दीनदयाल उपाध्याय पुरस्कार

(x) स्वामी विवेकानंद पुरस्कार

(xi) पंडित मदन मोहन मालवीय पुरस्कार

(xii) राजर्षि पुरुषोत्तम दास टंडन पुरस्कार

8. पुस्तकालय

संस्थान का पुस्तकालय भाषाविज्ञान, अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान, भाषा शिक्षण और हिंदी साहित्य के विभिन्न विषयों की पुस्तकों के विशेषीकृत संग्रह की दृष्टि से हिंदी के सर्वश्रेष्ठ पुस्तकालयों में से एक है। इसमें लगभग 71000 पुस्तकें व 1900 सजिल्द पत्रिकाएँ उपलब्ध हैं और लगभग 79 पत्रिकाएँ (शोध एवं अन्य) पुस्तकालय में हर महीने आती हैं। इसका नया संदर्भ प्रभाग अद्वितीय है। कवि/लेखकों की जन्म जयंती पर साहित्यिक परिचर्चा और सप्ताहव्यापी पुस्तक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाता है। समस्त केंद्रों पर भी पुस्तकालय एवं वाचनालय की अच्छी व्यवस्था है।

9. प्रबंधन

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 1961 ई. में स्थापित स्वायत्त संगठन है जो केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित है। केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के अध्यक्ष पदेन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्री महोदय होते हैं। इसके एक उपाध्यक्ष एवं सचिव होते हैं। संस्थान का निदेशक ही केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल का पदेन सचिव होता है। वही संस्थान का प्रमुख होता है। इनके अधीन विभिन्न विभागाध्यक्ष, केंद्रों के क्षेत्रीय निदेशक, कुलसचिव, उप कुलसचिव, लेखाधिकारी, प्रशासनिक अधिकारी (प्रशासन एवं शैक्षिक) एवं पुस्तकालय अधीक्षक होते हैं जिनके माध्यम से प्रशासन एवं शैक्षिक कार्यालय संपन्न होते हैं। इन सबके साथ पर्याप्त शैक्षिक एवं प्रशासनिक कर्मचारी नियुक्त हैं।

10. संस्थान परिसर

केंद्रीय हिंदी संस्थान मुख्यालय आगरा का **मुख्य भवन, गाँधी भवन, मोटूरि सत्यनारायण छात्रावास, प्रेमचंद छात्रावास, महादेवी वर्मा अंतरराष्ट्रीय महिला छात्रावास एवं सुभद्रा कुमारी चौहान छात्रावास** संस्थान परिसर में सुचारु व्यवस्था के साथ स्थित हैं। इसके अलावा **अतिथि गृह** और संस्थान कर्मियों के लिए **आवासीय परिसर** की व्यवस्था है। मुख्यालय के अलावा इस समय दिल्ली व मैसूर केंद्र भी अपने नवनिर्मित भवनों में संचालित किए जा रहे हैं।

11. संस्थान से संबद्ध प्रशिक्षण महाविद्यालय

हिंदी शिक्षण-प्रशिक्षण के स्तर को समुन्नत करने तथा पाठ्यक्रम में एकरूपता लाने के उद्देश्य से अहिंदी भाषी राज्यों के उत्तर गुवाहाटी (असम) तथा आइजोल (मिजोरम), के राजकीय हिंदी शिक्षक-प्रशिक्षण महाविद्यालयों तथा दीमापुर (नागालैंड) के राजकीय हिंदी संस्थान को केंद्रीय हिंदी संस्थान से संबद्ध किया गया है। इन महाविद्यालयों में संस्थान के पाठ्यक्रम का उपयोग किया जाता है।

12. भावी योजनाएँ

- **संस्थान के अकादमिक कार्यक्रमों का विस्तारः** कोलंबो (**श्रीलंका**) में आईसीसीआर द्वारा सिंहली विद्यार्थियों के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान का पाठ्यक्रम 2007-08 से आरंभ। **अफगानिस्तान** के नान्गरहर विश्वविद्यालय (जलालाबाद) में संस्थान द्वारा निर्मित बी.ए. का पाठ्यक्रम 2007-08 से आरंभ। इसी प्रकार दुनिया के अन्य देशों में भी संस्थान के हिंदी शिक्षण पाठ्यक्रम आरंभ करवाने की योजना
- **नये पाठ्यक्रमों की प्रस्तुतिः** संस्थान मुख्यालय और विभिन्न केंद्रों पर कुछ नये दक्षतापरक पाठ्यक्रम आरंभ करने की कार्य योजना। शिक्षण पद्धति एवं प्रविधि की गुणवत्ता, नये तकनीकी संसाधनों के उपयोग के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास की योजना। संस्थान के विविध पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों और प्रशिक्षणार्थियों की संख्या और देश भर में संस्थान का प्रसार क्षेत्र बढ़ाने की योजना लागू
- विश्व भर में भारतीय सांस्कृतिक केंद्र के कुल 36 केंद्रों पर संस्थान की गतिविधियों को प्रारंभ करने पर विचार
- विश्व के कुछ देशों में हिंदी पीठ तथा साथ ही भारत के विभिन्न राज्यों के कुछ शहरों में केंद्र स्थापित करने की योजना
- **लघु हिंदी विश्वकोश** निर्माण की परियोजना पूर्णता की ओर
- हिंदी की 48 लोकभाषाओं (बोलियों) पर **डिजिटल त्रिभाषी शब्दकोश** निर्माण का कार्य लगातार प्रगति पर
- संस्थान के सभी प्रमुख पाठ्यक्रमों में आवश्यकतानुसार अनिवार्य हिंदी **कंप्यूटर प्रशिक्षण** का समावेश। अधुनातन तकनीक पर आधारित **हिंदी शिक्षण एवं ऑनलाइन हिंदी शिक्षण** की योजना पर कार्य शुरू
- संस्थान के विभिन्न केंद्रों में **भाषा प्रयोगशाला** स्थापित करने की योजना।
- मुख्यालय आगरा में एक **बहु-उद्देशीय प्रेक्षागृह** का निर्माण कार्य पूर्णता की ओर
- हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं लोकप्रियता के लिए शैक्षिक ऑडियो-विजुअल कार्यक्रम, लघु फिल्म निर्माण, संगोष्ठियों, कार्यशालाओं और शैक्षिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का लगातार आयोजन
- अधुनातन स्मार्ट क्लास रूम की स्थापना
- संस्थान के शिलांग एवं हैदराबाद केंद्र में भवन निर्माण का कार्य प्रारंभ

सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों का सामान्य विवरण

सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य है ऐसे अध्येताओं को प्रशिक्षित करना जो कहीं सेवारत होने या किसी अन्य कारण से दिन के समय चलने वाले नियमित पाठ्यक्रमों में प्रवेश नहीं ले सकते। सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों के अंतर्गत आने वाले पाठ्यक्रम इस प्रकार हैं -

1. पोस्ट एम.ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा (आगरा और दिल्ली)

प्रस्तुत पाठ्यक्रम में छात्रों को भाषाविज्ञान के आधारभूत सिद्धांतों की जानकारी के साथ हिंदी संरचना एवं व्याकरण के अलावा हिंदी के सामाजिक संदर्भ से जुड़े पहलुओं का विस्तृत परिचय भी कराया जाता है। पाठ्यक्रम के चतुर्थ प्रश्न-पत्र के रूप में छात्र चार वैकल्पिक प्रश्न-पत्रों में से किसी एक का चयन कर भाषाविज्ञान के आनुषंगिक अनुप्रयोग क्षेत्रों के अध्ययन से लाभान्वित हो सकते हैं।

उद्देश्य: 1. भाषाविज्ञान के सिद्धांतों तथा उनके अनुप्रयोगों की जानकारी देना, 2. हिंदी भाषा की सरंचना तथा हिंदी के सामाजिक संदर्भ से जुड़े पहलुओं से परिचित करना, 3. भाषाविज्ञान के अनुप्रयोग के विशिष्ट क्षेत्रों का विशेष अध्ययन कराना।

पाठ्यक्रम की रुपरेखा

प्रश्न-पत्र 1. भाषाविज्ञान और उसका अनुप्रयोग	100 अंक
प्रश्न-पत्र 2. हिंदी संरचना	100 अंक
प्रश्न-पत्र 3. हिंदी का सामाजिक संदर्भ	100 अंक
प्रश्न पत्र 4. वैकल्पिक प्रश्न पत्र (क) भाषा शिक्षण : सिद्धांत और व्यवहार (या)	100 अंक
(ख) कंप्यूटरीकृत भाषाविज्ञान (या)	100 अंक
(ग) अनुवाद सिद्धांत और व्यवहार (या)	100 अंक
(घ) शैली विज्ञान : सिद्धांत और व्यवहार	100 अंक

पात्रता :

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से किसी विषय में एम.ए. की उपाधि या उसके समकक्ष

(ख) स्नातक स्तर पर 'हिंदी' एक विषय के रूप में या स्नातक स्तर पर हिंदी माध्यम द्वारा अध्ययन।

2. स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा (आगरा और दिल्ली)

यह पाठ्यक्रम विशेष रूप से उन छात्रों के लिए उपयोगी है जो 'अनुवाद' के क्षेत्र में अपना भविष्य बनाना चाहते हैं या अनुवाद के क्षेत्र में अपनी रुचि विकसित करते हुए अनुवाद कार्य में अपने को लगाना चाहते हैं। इसके अंतर्गत छात्र हिंदी से अंग्रेजी और अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करने की दक्षता प्राप्त कर सकते हैं।

उद्देश्य: 1. भाषा वैज्ञानिक युक्तियों में अपेक्षित दक्षता विकसित करके अध्येताओं को अनुवाद कौशल में दक्ष बनाना, 2. अनुवाद सिद्धांत का सविस्तार परिचय देना, 3. नवीन युक्तियों की जानकारी तथा अनुवाद समीक्षा की सामर्थ्य विकसित करना, 4. स्रोत व लक्ष्य भाषा के रूप में हिंदी से अंग्रेजी व अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद क्षमता का विकास करना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रश्न-पत्र 1. अनुवाद और भाषाविज्ञान	100 अंक
प्रश्न-पत्र 2. अनुवाद सिद्धांत	100 अंक
प्रश्न-पत्र 3. व्यतिरेकी भाषाविज्ञान और अनुवाद	100 अंक

प्रश्न पत्र 4. अनुवाद का व्यावहारिक संदर्भ 100 अंक

प्रश्न पत्र 5. परियोजना कार्य, सत्रीय कार्य एवं मौखिकी 100 अंक (50+25+25)

पात्रता :

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि

(ख) स्नातक स्तर पर हिंदी एवं अंग्रेजी विषय के साथ उत्तीर्णता अनिवार्य है।

3. स्नातकोत्तर जनसंचार एवं पत्रकारिता डिप्लोमा (आगरा और दिल्ली)

यह पाठ्यक्रम उन विद्यार्थियों के लिए है जो पत्रकारिता और जनसंचार को अपना व्यवसाय बनाना चाहते हैं। यह पाठ्यक्रम 'इलेक्ट्रॉनिक मीडिया' से संबंधित विषयों की पर्याप्त जानकारी देता है। साथ ही प्रिंट मीडिया से भी अवगत कराता है। इसमें लेखन की विभिन्न विधाओं एवं संपादन कला से भी परिचित कराया जाता है।

उद्देश्य : 1. जनसंचार के विविध आयामों की जानकारी देना, 2. हिंदी पत्रकारिता की भाषा संरचना की बुनावट पर विशेष बल देना, 3. घटनाक्रम विश्लेषण की क्षमता में अभिवृद्धि, 4. संचार माध्यमों के नैतिक और विविध उत्तरदायित्वों के प्रति सजग व प्रेरित करना, 5. सोशल मीडिया से संबंधित विषयों के अध्ययन, अध्यापन, अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा प्रकाशन के सर्वांगीण तत्वों की सम्यक जानकारी देना, 6. साइबर पत्रकारिता के प्रयोग हेतु प्रशिक्षणपरक कार्यक्रम चलाना।

पाठ्यक्रम की रूपरेखा

प्रश्न-पत्र 1. संचार के सिद्धांत 100 अंक

प्रश्न-पत्र 2. पत्रकारिता का इतिहास 100 अंक

प्रश्न-पत्र 3. समाचार संकलन और लेखन 100 अंक

प्रश्न-पत्र 4. लेखन की विभिन्न विधाएँ 100 अंक

प्रश्न पत्र 5. संपादन : सिद्धांत और व्यवहार 100 अंक

प्रश्न पत्र 6. प्रेस कानून और आचार संहिता 100 अंक

प्रश्न-पत्र 7. विज्ञापन और जनसंपर्क 100 अंक

प्रश्न-पत्र 8. इलेक्ट्रॉनिक माध्यम 100 अंक

प्रश्न-पत्र 9. कंप्यूटर अनुप्रयोग 100 अंक

प्रश्न पत्र 10. सूचना प्रौद्योगिकी एवं साइबर पत्रकारिता 100 अंक

नोट - वार्षिक परीक्षा 70 अंक की होगी। 20 अंक परियोजना कार्य के लिए तथा 10 अंक आंतरिक होंगे।

पात्रता :

(क) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की उपाधि।

(ख) स्नातक स्तर पर हिंदी एक विषय के रूप में अथवा स्नातक स्तर पर हिंदी माध्यम द्वारा अध्ययन।

पाठ्यक्रमों में प्रवेश का आधार :

सभी पाठ्यक्रमों में प्रवेश का आधार लिखित परीक्षा होगा। लिखित परीक्षा 100 अंक की होगी।

प्रवेश हेतु अनुदेश :

1. प्रवेश के समय अपने मूल प्रमाण-पत्र दिखाने होंगे, 2. सेवारत प्रवेशार्थियों को कार्यालय का अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा, 3. जमा किया गया शुल्क किसी भी दशा में लौटाया नहीं जायेगा।

पाठ्यक्रमों की अवधि एवं वार्षिक परीक्षा :

सभी सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों की अवधि एक शैक्षिक वर्ष 15 जुलाई से 15 मई है। वार्षिक परीक्षा अप्रैल-मई में संपन्न होगी। वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए कक्षा में 80 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी।

आरक्षण : भारत सरकार के नियमानुसार

प्रवेश परीक्षा के परीक्षण बिंदु

1. पोस्ट एम. ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. हिंदी संरचना/व्याकरण का सामान्य ज्ञान (उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास, पर्याय, विलोम, अनेकार्थी, विराम, वाक्यांशों के लिए एक शब्द, वर्तनीशोधन, वाक्य संरचना एवं वाक्य शोधन, वाच्य, मुहावरे, लोकोक्तियाँ आदि), 2. हिंदी की बोलियाँ, शैलियाँ, हिंदी भाषी राज्य, संविधान में हिंदी, 3. भारत की भाषाओं की जानकारी, 4. विराम चिह्नों का उचित प्रयोग, 5. अनुच्छेद लेखन।

2. स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

(1) हिंदी से अंग्रेजी में अनुवाद- (क) 100-125 शब्दों का गद्यांश **(ख)** 8-10 वाक्य/वाक्यांश।

(2) अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद- (क) 100-125 शब्दों का गद्यांश **(ख)** 8-10 वाक्य/वाक्यांशों का अनुवाद।

(3) हिंदी संरचना का सामान्य ज्ञान - उपसर्ग, प्रत्यय, लिंग/वचन परिवर्तन, पर्याय, विलोम, मुहावरे, लोकोक्तियाँ, वर्तनीशोधन, वाक्य संरचना एवं वाच्य आदि।

3. स्नातकोत्तर जनसंचार एवं पत्रकारिता डिप्लोमा

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

(1) समसामयिक ज्ञान (2) हिंदी भाषा दक्षता (3) मीडिया संदर्भ

परीक्षा नियम

नियम :

(1) संस्थान की परीक्षाएँ प्रतिवर्ष निर्धारित तिथियों पर आगरा में तथा दिल्ली केंद्र पर होंगी। इसके लिए संस्थान द्वारा समय-समय पर विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए निर्धारित किए जाने वाले परीक्षा संबंधी नियम लागू होंगे।

(2) शिक्षणार्थियों को वार्षिक परीक्षा में सम्मिलित करने के लिए परीक्षा आवेदन-पत्र भरकर 30 दिसंबर तक परीक्षा विभाग में जमा कराना होगा। नामांकन शुल्क और परीक्षा शुल्क **सचिव, केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल, आगरा** के नाम बैंक ड्राफ्ट बनवाकर अथवा लेखा विभाग में नगद जमा कर रसीद द्वारा प्रवेश के समय ही जमा कराया जाना अनिवार्य होगा।

(3) परीक्षा में वे ही छात्र शामिल हो पायेंगे जिनकी उपस्थिति कुल कार्य दिवसों की 80 प्रतिशत होगी। सभी परीक्षाओं में उत्तीर्णता की श्रेणियाँ इस प्रकार होंगी - (1) प्रथम श्रेणी- 60% और अधिक, (2) द्वितीय श्रेणी- 48% और अधिक, (3) तृतीय श्रेणी- 40% और अधिक।

(4) उत्तीर्णता के लिए समस्त प्रश्न-पत्रों में न्यूनतम 35 अंक प्राप्त करने के साथ-साथ कुल योग का 40 प्रतिशत लाना अनिवार्य है।

(5) परीक्षा परिणाम घोषित होने की तिथि से एक माह के अंदर पुनर्मूल्यांकन कराया जा सकता है। इसके लिए प्रति प्रश्न-पत्र रु. 500/- शुल्क के रूप में जमा करने होंगे। यह सुविधा अधिकतम दो प्रश्न-पत्रों के लिए ही होगी।

(6) दो विषयों में अनुत्तीर्ण होने पर पूरक परीक्षा के लिए मुख्य परीक्षा के अलावा पूर्व की भाँति दो अवसर प्रदान किए जाएंगे। पूरक परीक्षा के लिए प्रति प्रश्नपत्र के लिए रु. 200/- देय होगा। यह परीक्षा मुख्य परीक्षा के साथ अगले वर्ष संपन्न होगी। पूरक परीक्षा में बैठने के लिए छात्रों को कुलसचिव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा को प्रार्थना पत्र भेजकर परीक्षा आवेदन पत्र मंगाना होगा। आवेदन पत्र भेजने की अंतिम तिथि 15 दिसंबर होगी। परीक्षा आवेदन पत्र मँगाने और निर्धारित तिथि तक भरकर भेजने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी। आवेदन पत्र मँगाने के लिए भेजे जाने वाले प्रार्थना पत्र के साथ अपना नाम, पता लिखा 23X15 से.मी. का लिफाफा (जिसपर रु. 50/- डाक टिकट लगा हो) भेजना होगा।

(7) परीक्षा आवेदन-पत्र खोने/खराब होने की स्थिति में दूसरा आवेदन पत्र रु. 100/- जमा करने के पश्चात ही मिल सकेगा।

(8) प्रवेश एवं वार्षिक परीक्षा संबंधी अभिलेख (रिकार्ड) तीन वर्ष तक ही सुरक्षित रखे जाते हैं, तदनंतर उन्हें नष्ट कर दिया जाता है।

(9) वार्षिक परीक्षा का आयोजन परीक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा।

(10) वार्षिक परीक्षा परिणाम संबंधी त्रुटियों का निराकरण परिणाम घोषित होने के तीन माह के अंदर किया जाएगा।

(11) यदि कोई परीक्षार्थी परीक्षा आवेदन-पत्र भरने के बाद चिकित्सीय कारणों से परीक्षा में शामिल नहीं हो पाता और तत्काल इसकी सूचना संस्थान को देता है, तो उसे अगली परीक्षा के लिए नए सिरे से आवेदन पत्र भरने की अनुमति दी जाएगी। यह अनुमति एक वर्ष के लिए मान्य होगी। इसके लिए उसको चिकित्सा अधिकारी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना होगा।

(12) कोई छात्र परीक्षा में अनुचित साधनों (नकल इत्यादि) का प्रयोग करता पाया जाता है तो अनुशासन समिति द्वारा लिया गया निर्णय मान्य होगा। समस्त प्रकार के विधिक मामले आगरा के न्यायिक क्षेत्र के अधीन होंगे।

आवश्यक सूचनाएँ

(1) आवेदन पत्र में दिया गया विवरण सही एवं प्रमाण पत्रों पर आधारित होना चाहिए।

(2) आवेदन पत्र के साथ संबंधित पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए निर्धारित शैक्षिक योग्यताओं के मूल प्रमाण पत्र, अस्थाई प्रमाण पत्र (Provisional Certificate) और अंतिम वर्ष की अंकसूची (संपूर्ण) की अभिप्रमाणित छाया प्रतियाँ अवश्य संलग्न करें। आवेदन पत्र पर फोटो न होने पर उसे निरस्त कर दिया जाएगा।

(3) आवेदन पत्र के साथ भेजे गए सभी प्रमाण पत्रों की एक सूची संलग्न करना आवश्यक है।

(4) आवेदन पत्र पंजीकृत या स्पीड पोस्ट डाक द्वारा : मुख्यालय आगरा के लिए कुलसचिव, केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा-282005 तथा केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र के लिए क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, दिल्ली केंद्र, बी-26ए, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, नई दिल्ली-110016 के नाम पर भेजा जाए।

(5) आवेदन पत्र जमा करने की तिथि अखबार में विज्ञापित अंतिम तिथि के अनुसार मान्य है।

शुल्क विवरण

पोस्ट एम. ए. अनुप्रयुक्त हिंदी भाषाविज्ञान डिप्लोमा/स्नातकोत्तर अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार डिप्लोमा

मुख्यालय आगरा			दिल्ली केंद्र		
प्रवेश शुल्क	रु.	1000.00	प्रवेश शुल्क	रु.	1000.00
नामांकन शुल्क	रु.	500.00	नामांकन शुल्क	रु.	500.00
शिक्षण शुल्क	रु.	4500.00	शिक्षण शुल्क	रु.	4500.00
परीक्षा शुल्क	रु.	1000.00	परीक्षा शुल्क	रु.	1000.00
पुस्तकालय प्रतिभूति	रु.	1000.00 (प्रतिदेय)	पुस्तकालय प्रतिभूति	रु.	1000.00 (प्रतिदेय)
पत्रिकाएँ एवं शिक्षण सामग्री आदि	रु.	500.00	पत्रिकाएँ एवं शिक्षण सामग्री आदि	रु.	500.00
शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ	रु.	1500.00	शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ	रु.	1500.00
कुल	**रु.**	**10000.00**	**कुल**	**रु.**	**10000.00**

स्नातकोत्तर जनसंचार एवं पत्रकारिता डिप्लोमा

मुख्यालय आगरा			दिल्ली केंद्र		
प्रवेश शुल्क	रु.	500.00	प्रवेश शुल्क	रु.	1000.00
नामांकन शुल्क	रु.	500.00	नामांकन शुल्क	रु.	500.00
शिक्षण शुल्क	रु.	6000.00	शिक्षण शुल्क	रु.	12000.00
परीक्षा शुल्क	रु.	1000.00	परीक्षा शुल्क	रु.	1000.00
पुस्तकालय प्रतिभूति	रु.	1000.00 (प्रतिदेय)	पुस्तकालय प्रतिभूति	रु.	1000.00 (प्रतिदेय)
पत्रिकाएँ एवं शिक्षण सामग्री आदि	रु.	500.00	पत्रिकाएँ एवं शिक्षण सामग्री आदि	रु.	500.00
शिक्षणेत्तर गतिविधियाँ	रु.	500.00	अन्य शैक्षिक गतिविधियाँ	रु.	2000.00
			व्यावहारिक कार्य	रु.	2000.00
कुल	**रु.**	**10000.00**	**कुल**	**रु.**	**20000.00**

Kendriya Hindi Sansthan, Agra

Central Institute of Hindi i.e. Kendriya Hindi Sansthan is an autonomous educational institute governed by an autonomous organization **Kendriya Hindi Shikshan Mandal** which was established in 1961 by the Department of Higher Education, Ministry of Human Resource Development, Govt. of India.

The Headquarter of Sansthan is situated at Agra. It has eight Centres: Delhi (1970), Hyderabad (1976), Guwahati (1978), Shillong (1987), Mysore (1988), Dimapur (2003), Bhubaneswar (2003) and Ahmedabad (2006) established respectively.

Hindi works as a vital link for National integration in India. The Institute imbibes this characteristic of Hindi in all its activities. The Institute has been oriented to realize this goal through its various disciplines and the programmes organized there. In this background the Institute has put some objectives in its memorandum. These can be enshrined as following-

Objectives of KHSM

- To realize the constitutional obligation mentioned in section 351, the Institute works for the development of Hindi as an all India Language and make an attempt to prepare, organize and implement such types of the courses which can help to attain this broad objective.
- To improve the standards of teaching Hindi at various levels, to train Hindi teachers, to provide avenues for the advanced study of Hindi language and literature and Comparative Linguistics related to different Indian languages, to organize research in the teaching of the subject, to formulate, undertake and facilitate such courses.
- To establish, supervise and control hostels for the residence of the students
- To hold examinations and grant diploma for various courses.
- To prepare suitable text books, reference books and research oriented books for different levels of Hindi Teaching and learning and make them accessible after their printing and publication.
- To publish journals and magazines according to the goals of the Institute.
- To subscribe or become member or to cooperate with other associations with the Institutes working with similar objectives or to extend them affiliation, if required.
- By time to time, promoting the application of Hindi according to the given rules by providing Fellowships, Scholarships, Awards and Medals.

Activities of the Institute

- In order to realize the above mentioned goals and objectives Central Institute of Hindi has continuously expanded its activities. The details are as follows-

1. Teaching-related Courses

(A) Hindi Teaching for Foreign Students

The Head Quarter, Agra and Delhi Centre organize following courses for the foreign students under the scheme for Propagation of Hindi Abroad and cultural exchange –

- Hindi Language Proficiency Certificate Course - 100
- Hindi Language Proficiency Diploma course - 200
- Hindi Language Advanced Diploma - 300
- Post Graduate Hindi Diploma - 400

These courses (1 to 3) are conducted at Delhi Centre under self financing scheme. All these courses are also being run in Colombo, Sri Lanka through ICCR.

(B) Evening Courses (Self-Financed)

The Head Quarter and at its Delhi Centre run the following courses –

(i) Post M.A. Diploma in Hindi Applied Linguistics
(ii) PG Diploma in Translation Theory and Practice
(iii) PG Diploma in Mass communication and Journalism

2. Teacher Training Programmes

Teacher Training Programmes for the students of Non Hindi States

The Department of Teacher Education at its Headquarter as well as at its Centres Organizes a number of one year and two Years Programme for Hindi Teachers of Non-Hindi States and for the students willing to learn Hindi. The courses are as follows:

(iv) **Hindi Shikshan Nishnat-** Equivalent to M.Ed. (Agra) (two years)
(v) **Hindi Shikshan Parangat-** Equivalent to B.Ed. (Agra) (two years)
(vi) **Hindi Shikshan Praveen-** Equivalent to B.T.C./D.El.Ed.(Agra, Dimapur Centre) (two years)
(vii) **Three year Hindi Teaching Diploma course-**This course is organized for starting two years in Dimapur (Nagaland) but the final year students compulsorily visit and stay at Agra Headquarter to complete the aforesaid diploma.
(viii) **Intensive Hindi Teaching Training Course (Agra, Dimapur) -**This course is designed for the untrained Hindi Teachers of North-East states.

3. Refresher and Enrichment Programme

The Institute runs refresher programme for the teachers of Non-Hindi states in guidance of Department of Orientation and Extension Programmes and Academic Co-ordinator office at the Headquarter. The Department of Orientation and Extension Programmes at the Headquarter organizes 30 days language enrichment programme for the students of Government Hindi Teachers Training colleges of Gujrat, Karnataka, Assam, Mizoram and Manipur. The Department also runs 21 days orientation programme for Sikkim state in Agra. All the centres of Kendriya Hindi Sansthan conduct orientation programmes for the teachers deputed by the State Govt. The details are as follows-

Delhi Centre- For the HindiTeachers of Punjab, Jammu&Kashmir and Himachal Pradesh (Tribal Region)
Hyderabad Centre- For the Hindi Teachers of Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Goa, Maharashtra, Union Territory of Pudducherry and Andman &Nicobar Island.
Guwahati Centre- For the HindiTeachers of Assam and Arunachal Pradesh
Shillong Centre- For the Hindi teachers of Meghalaya and Mizoram
Mysore Centre- For the HindiTeachers of Karnataka, Kerala and L/T of Lakshadweep
Dimapur Centre- For the HindiTeachers of Nagaland &Manipur
Bhubaneswar Centre- For the HindiTeachers of Orissa and Chhattisgarh
Ahmedabad Centre- For the HindiTeachers of Gujarat, Daman and Diu, Dadra and Nagar Haveli

4. Research Oriented Programme

One of the important objectives of the Sansthan is to focus on research works in the following areas-

(i) Research for the development of latest methodologies of Hindi teaching
(ii) Comparative &Contrastive study between Hindi Language and other Indian Languages
(iii) Fundamental and applied research in the field of Hindi language and Literature
(iv) Research for the development of language technology and modernization of Hindi Language
(v) Socio-Linguistics surveys and studies of Hindi
(vi) Research on Functional Hindi

Santhan also develops suitable teaching materials for Hindi as a Second and Foreign language during these research oriented programmes.

5. Production of Teaching Material &Language Development

Apart from Teaching-Training &Research work, Kendriya Hindi Sansthan develops material for Hindi Teaching with latest technique for the students of Non-Hindi States.

- Production of Hindi teaching materials for the schools of Non-Hindi States &Tribal areas.
- Production of contrastive grammar of Hindi bilingual learners' dictionaries for Non-Hindi States.
- Production of Hindi teaching books as a foreign language.
- Production of computer based language teaching material.
- Production of Hindi Teaching material through Audio-visual method.
- Production of bilingual/trilingual dictionaries of Hindi and other Indian languages

(A) Publication

The Publication Division of Sansthan has published a numberof books on various subjects such as Hindi Language and Literature, Applied Linguistics, Comparative and Contrastive linguistics, Language and Literature teaching, lexicography, bilingual dictionaries etc. More than 200 books have been published so for. Textbooks of multiple purposes at different levels and teacher guides have also been published. Sansthan is also publishing following journals and magazines-

(i) **Gaveshna**- A quarterly journal of applied linguistics, Hindi teaching and criticism
(ii) **Samvad Path**- A quarterly journal of mass communication and journalism

(iii) **Samanvay Purvottar**- A quarterly journal of literature and culture of North-East States
(iv) **Samanvay Dakshin**- A journal of literature and culture of South India
(v) **Samanvay Pashchim**- A quarterly journal of literature and culture of West India
(vi) **Pravasi Jagat**- A quarterly journal of literature, litterateur & culture of diasphora published in Hindi
(vii) **Shaikshik Unmesh**- A quarterly journal of innovation in education
(viii) **Bhavak**- A quarterly journal of Hindi literature (proposed)

- Quarterly Bulletin of Sansthan- **Sansthan Samachar.**

Apart for these, the annual students' magazines -**Hindi Vishva Bharti** and **Samanvay** are also published.

(B) Major Projects

Some of the major projects of the Institute are as follows:

1. **Hindi Corpora Pariyojna:**Kendriya Hindi Sansthan, Agra in collaboration with Central Institute of Indian Languages, Mysore developed Corpus of more than 30 million words of Hindi languages with the help of published books of Hindi in various areas. Out of this corpus, 4.1 million collected words have been tagged. Sasnthan has published **Hindi Ki Adharbhoot Shabdavali** (2008) &**Hindi Kriya Visheshan Shabdkosh** (2009) by using this material. At present various kinds of learner's oriented dictionaries and Hindi Spell Checker are being prepared.
2. **Bhasha Sahitya C.D. Nirman Pariyojna:**Under this project production of the educational Audio-visual programmes are to be prepared for students and common people, who are interested in Hindi. Multimedia programmes of Hindi language teaching are also being prepared. So far, Audio CD's on **Suryakant Tripathi 'Nirala', Agyeya, Trilochan &Firak Gorakhpuri** have been prepared. An educational documentary titled: **Panth Hone Do Aparichit** on the life and works of Mahadevi Verma has been produced. Besides, another film on the life and works of **Nazeer Akbarabadi** is under the last phase of production.
3. **Hindi Lok shabdkosh Pariyojna:**Under this project, dictionaries of 48 dialects of Hindi are to be developed. At the initial level Unicode based trilingual digital dictionaries of Bhojpuri, Brijbhasha, Rajashthani, Chhattisgarhi, Bundeli, Awadhi, Malvi, Kangari, Garhwali, Magahi, and Hariyanavi dialects are being prepared.
4. **Laghu Hindi Vishwa Kosh Pariyojna –** Under this project a learners' encyclopedia of approximate 15000 concise entries of various subjects is being prepared.

6. Extension Programmes

(i) To organize **Special Extension Lectures**and **Workshops** in view of contact, co-ordination and exchange of ideas at the Headquarter and its centres.
(ii) To organize National Seminars on Linguistics, Hindi Literature, Hindi Teaching, Journalism, Language Terminology, Media etc. at the Headquarter and its centres every year for greater linguistic and cultural exchange at all India level.
(iii) To organize all India Hindi debate competition essay writing and poetry recitation for trainees of the Hindi Teaching Training Colleges and propagation Institute of Non-Hindi State.
(iv) To organize cultural competition such as folk music, dance and short play of various regions and countries of the world for the students.
(v) To organize small budgetary seminars by the Headquarter and at its centres with the support of regional colleges.
(vi) To support the town official language implementation committee and other Hindi teaching institutions.

7. Hindi Sevi Samman Yojana

This plan was initiated in 1989. Sansthan awards the 26 Hindi scholars selected from all over India for their remarkable works regarding Promotion, Propagation and Development of Hindi at National and International level. The selected scholars are awarded with a token prize of Rs. Five lakh in cash, shawl and Bronze plaque for their contribution. The details of these awards are as given below-

(i) Ganga Sharan Singh Award
(ii) Ganesh Shankar Vidyarthi Award
(iii) Atmaram Award
(iv) Subramanya Bharti Award
(v) Mahapandit Rahul Sankrityayan Award
(vi) Dr. George Grierson Award

(vii) Padmabhushan Dr. Moturi Satyanarayan Award
(viii) Sardar Ballabh Bhai Patel Award
(ix) Deendayal Upadhyaya Award
(x) Swami Vivekanand Award
(xi) Pandit Madan Mohan Malviya Award
(xii) Rajarshi Purushottam Das Tandan Award

8. Library

Sansthan has one of the best specialized collections of books on Linguistics, Applied Linguistics, Language teaching and Hindi Literature. The Library has a collection of 71000 books, 1900 hard bound journalsand about 79 journals (research and others) are purchased to library every month. The reference section of library is exclusive. A week long exhibition and literary discussion is conducted on the birth anniversary of the poets/authors. All the Regional centres have also good arrangement of library and reading room.

9. Management

Kendriya Hindi Sansthan, Agra established in 1961 is an autonomous organization under the Ministry of H.R.D., Govt. of India. It is governed by Kendriya Hindi Shikshan Mandal. Hon'ble Cabinet Minister of the Ministry of H.R.D. is the Ex-officio Chairman of KHSM. The Mandal has a Vice chairman and Secretary. The Director of KHS is the Ex-officio Secretary of KHSM as well as the Head of the Institute. Various HODs, Regional Directors of centres, Registrar, Deputy Registrar, Accounts Officer, Administrative Officer (Academic &Administration) and Librarian work under the Director and perform their relevant duties. Sufficient strength of employees both in academic as well as administrative group are appointed with them.

Campus of the Sansthan

The Headquarter of Kendriya Hindi Sansthan, Agra is situated at Agra.**Main Building, Gandhi Bhawan, Moturi Satya Narayan Hostel, Premchand Hostel, Mahadevi Verma International Women's Hostel** and **Subhadra Kumari Chauhan Hostel** are well managed. Besides there is a **Guest House**and **Residential Quarters** for the employees of the Institute. In addition to the Head Quarter, Delhi and Mysore centres are being run in newly constructed building at present.

Training Colleges affiliated to the Sansthan

In order to improve the level of Hindi teaching training and bring uniformity in the course structure, the Hindi Teacher Training Colleges of North Guwahati (Assam), Aizwal (Mizoram) and Dimapur (Nagaland) are affiliated to the Institute. The courses of Sansthan are implemented by these colleges.

Future Plans

- **Expansion of Academic Programmes of the Sansthan:** ICCR in Colombo (Sri Lanka) has started the course of Kendriya Hindi Sansthan for the Sinhalese students since 2007-08. The B.A. course developed by the Institute has also been started at **Nanhgarh University, Jalalabad, Afghanistan** since 2007-08. There is also a plan to develop similar kind of Hindi Teaching Programme in other countries of the world.
- **Initiation of New Courses:** Initiation of new vocational courses at Head Quarter and different centres of the Sansthan are under process. There is also a plan of research and development for improving the quality of teaching techniques, methodologies and the use of new technological resources. Plan to increase the number of the students and trainees and to expand the activities of Sansthan all over the country.
- Kendriya Hindi Sansthan is planning to start its activities at the 36 centres of Indian Cultural Centre all over the world.
- Plan to establish Hindi Chairs in various countries of the world together with starting the centre in the cities of different states of India.
- **Laghu Hindi Vishva Kosh project** is towards completion.
- A project to prepare th**e Digital Trilingual Dictionaries** of 48 dialects of Hindi is continuously in progress.
- All the major courses of the Sansthan are to be included mandatory with Computer Training in Hindi. Work has been started to equip Hindi Teaching with latest technique and to develop Online Hindi Teaching.
- There is a plan to establish Language Laboratories at Various Centres.
- Construction of a Multipurpose Hall (Auditorium) at Agra Head Quarter is towards completion.
- Production of Educational Audio-Visual programmes and short films, to organize Seminars, Workshops and Academic-Cultural Programmes continuously
- Establishment of modern Smart Class rooms
- Construction of building at Shillong &Hyderabad centre has been started.

General Introduction to Evening Courses

The aim of Evening Courses is to train such students who have been either working somewhere or are unable to seek admission in regular day courses due to some other engagements. The academic programmes among the Evening Courses are as follows:

1. Post M.A. Diploma in Applied Hindi Linguistics

In this programme the learners get the basic knowledge of the principles of General Linguistics on one hand and a vast knowledge of Hindi Grammar and Hindi structures along with different aspects of Social Contexts of Hindi, on the other hand. As the fourth question paper of the course, students can be benefited from the study of applied areas of linguistics by selecting any one of the four alternative papers.

Objectives :

1. To provide Information about the principles and applications of linguistics.
2. To familiarize the students with structure of Hindi Language and Socio-Linguistic aspects of Hindi.
3. To introduce with special study of specific areas of applied linguistics.

Outlines of the course

Paper No. 1. BHASHAVIGYAN AUR USKA ANUPRAYOG (Linguistics and its applications)		100 Marks
Paper No. 2 HINDI SANRACHNA (Hindi Structures)		100 Marks
Paper No. 3. HINDI KA SAMAJIK SANDARBH (Social aspects of Hindi)		100 Marks
Paper No. 4. (OPTIONAL) (A)	BHASHA SHIKSHAN : SIDDHANT AUR VYAVAHAR (Language Teaching : Theory and Practice) (OR)	100 Marks
(B)	COMPUTRIKRIT BHASHAVIGYAN (Computational Linguistics) (OR)	100 Marks
(C)	ANUVAAD SIDHAANT AUR VYAVAHAAR Translation Theory and Practice) (OR)	100 Marks
(D)	SHAILI VIGYAAN: SIDHAANT AUR VYAVAHAAR (Stylistics : Theory and Practice)	100 Marks

Eligibility:

(a) Post graduate or equivalent degree in any subject from a recognized university.

(b) Hindi as one of the subject or medium of instruction at graduation level.

2. Post Graduate Diploma in Translation Theory and Practice (Delhi and Agra)

This course is especially useful for those students who want to make their career in the field of translation or develop their interest in the field of translation and want to put themselves in the translation job. Under this course, students gain the proficiency to translate from Hindi to English and vice-versa.

Objectives

1. To make the learner proficient in Translation skills after developing expertise in linguistic techniques.
2. To introduce Translation Theory in detail.
3. To familiarize with the new techniques of Translation and to develop the ability of Translation Evaluation.
4. To develop the translation ability from English to Hindi as a source and target language and vice versa.

Outlines of the course

Paper No. 1. ANUVAD AUR BHASHAVIGHYAN (Translation and Linguistics)	100 Marks
Paper No. 2. ANUVAD SIDDHANT (Translation Theory)	100 Marks
Paper No. 3. Vyatireki Bhashavigyan aur Anuvaad (Contrastive Linguistics and Translation)	100 Marks
Paper No. 4. Anuvaad ka vyaavaharik sandarbh (Practical aspects of Translation)	100 Marks
Paper No. 5 Pariyojna Kaarya, Satriya Karya evam Maukhiki (Project Work, Sessional Work and Viva-voce)	100 Marks (50+25+25)

Eligibility

(a) Graduation from any recognized University.
(b) Passing of Graduation with Hindi and English is essential.

3. P.G. Diploma in Mass Communication and Journalism (Available in Delhi and Agra)

This course is prepared for those students who want to opt journalism and mass communication as their profession. This course gives ample information on topics related to 'electronic media'. It communicates with the issues of print media as well. This course also familiarize the students with different facets of writing and editing skills.

Objectives :

1. To familiarize with the different aspects of mass media.
2. To give special emphasis on Hindi structure of Hindi Journalism.
3. To develop the ability of the event analysis.
4. To Aware and motivate towards the moral and diverse responsibilities of the communication mediums.
5. Provide plenary information about the all-round elements of study, teaching, research, training and publication of topics related to social media.
6. To conduct training programs for the uses of cyber journalism.

Outlines of the course

Paper No. 1. SANCHAR KE SIDDHANT (Principles of Communication)	100 Marks
Paper No. 2 PATRAKARITA KA ITIHAS (History of Journalism)	100 Marks
Paper No. 3. SAMACHAR : SANKALAN AUR LEKHAN (News Collection & Writing)	100 Marks
Paper No. 4. LEKHAN KI VIVIDH VIDHAYEIN (Different facets of Writing)	100 Marks
Paper No. 5. SAMPADAN: SIDDHANT AUR VYAVAHAR (Editing : Theory and Practice)	100 Marks
Paper No. 6. PRESS KAANOON AUR AACHAR SANHITA (Press law and ethics)	100 Marks
Paper No. 7. VIGYAPAN AUR JANSAMPARK (Advertisement and Public Relation)	100 Marks
Paper No. 8. ELECTRONIC MADHYAM (Electronic Media)	100 Marks
Paper No. 09 COMPUTER ANUPRAYOG (Computer Application)	100 Marks
Paper No. 10 SUCHNA PRAUDYOGIKI EVAM CYBER PATRAKARITA (Information Technology and Cyber Journalism)	100 Marks

Note : The annual examination will be of 70 marks, 20 Marks for project work and 10 marks for internal assessment.

ELIGIBILITY

(1) Graduation in any subject from any recognized University.
(2) Hindi as a subject or medium of instruction at the graduation level.

Basis of Admission

Admission will be on the basis of written examination only. Written Examination will be of 100 Marks.

General Instructions for Admission

1. The original degree and certificates are to be produced at the time of admission.
2. Candidates who are in service are required to produce 'no objection certificate' form their office.
3. Fee once deposited will not be refunded in any case.

- Reservation rules will be followed as per Govt. of India policy.

Duration of the Evening Courses and Annual Examination.

1. The duration of the evening courses in one academic year is 15 July—15 May.
2. Annual Examination will be held in April-May.
3. 80% attendance is compulsory for appearing in the annual examination.

Test points for Entrance Examination

1. Post M.A. Diploma in Applied Hindi Linguistics

Time : 3 Hours **Total Makrs : 100**

(1) Basic knowledge of Hindi Grammar (Prefix, Suffix, Sandhi, Samas, Synonyms, Opposite Words, One word for Phrases, Spelling Correction, Sentence Structure and Sentence Correction, Voice, Idioms and Proverbs)
(2) Dialects of Hindi, Stylistics, Hindi Speaking States, Hindi in Indian Constitution.
(3) Knowledge of other Indian Languages.
(4) Proper Use of Viram Chihna.
(5) Paragraph Writing.

2. Post Graduate Diploma in Translation Theory and Practice

Time : 3 Hours **Total Makrs : 100**

(1) Translation :Hindi to English
  (a) Paraphrase of 100-125 words
  (b) 8-10 Sentences/phrases
(2) Translation :English to Hindi
  (a) Paraphrase of 100-125 words
  (b) 8-10 Sentences/phrases
(3) Basic Knowledge of Hindi Grammar-Prefix, Suffix, Number, Gender, Synonyoms, Opposite words, Idioms and Proverbs, Spelling Correction, Sentence Structure and Sentence Correction, Voice etc.)

3. Post Graduate Diploma in Mass Communication Journalism

Time : 2 Hours **Total Makrs : 100**

(1) Contemporary Knowledge and Current Affairs.
(2) Hindi Language Proficiency.
(3) Media Content and References.

Examination Rule

1. The examination of the Institute will be held on scheduled date at Headqurter Agra and Delhi centre. For this, the rules of various progams prescribed by the Institute time to time would be applicable.

2 It will be compulsory to to fill up the application form by 30th December in order to appear in the annual examination. It is compulsory to deposit enrollment fee and examination fee at the time of admission through bank draft in favour of 'secretary, Kendriya Hindi Shikshan Mandal Agra' or cash deposit in the accounts section.

3. Only those students will be admitted in the examination whose attendance is 80% of the total working days. The categories of divisions in all examinations is as follows - (1) First class - 60% and above (2) Second class - 48% and above (3) Third class - 40% and above.

4. In order to pass an examination it is mandatory to obtain a minimum 35 marks in each paper and 40% in aggregate.

5. Re-evaluation can be done within one month from the date of announcement of the results. For this, Rs. 500 / - will have to be deposited for fee. This facility can be availed for maximum two papers.

6. Two opportunity for supplementary examinations will be given to those students who fail in two papers. Rs. 200/- per paper will have to paid for supplementary examination. The supplementary examination will be held next year with the main examination. In order to appear in supplementary examination a student can get an application form by writing a request letter to Registrar, Kendriya Hindi Sansthan, Agra. The last date for submitting the form will be 15th December. It is the responsibilities of the student to get the form and submit it on prescribed time. In order to get examination form, an envelope of 23x15 cm size (affixed with Rs 50/ postal stamp) must be sent along with request letter.

7. In the case of lost or damage of examination form the second examination form will be available only after depositing Rs. 100 /

8. The entrance and annual examination records are kept for three years. After that they are destroyed.

9. The annual examination will be conducted by the examination department.

10. Errors related to annual examination results will be resolved within three months from the date of declaration of the result.

11. If a candidate fails to attend the examination due to medical reasons after filling the application form and gives immediate information to the institute, then he will be allowed to fill the fresh application for the next examination. This permission will not be applicable for later years. Only one opportunity will be granted on medical grounds.

12. If a student is caught using unfair means (cheating etc.) during the examination, the decision taken by the Disciplinary Committee will be final and obligatory. All legal matters will be subject to the Agra judicial area.

Important Information

1. All the Informtion given in the application form must be correct and shuld be best on certificates.
2. In order to get admission in a course, it is essential to attested self certified photo copies of original certificates, provisional certificates and marksheet of the final year.
3. Application form must contain a list of all the documents and certificates attached
4. Application form dully filed must be sent through registered or speed post to (i) **Registrar, Kendriya Hindi Sansthan, Hindi Sansthan Marg, Agra-282005** for Agra Head Quarter and (ii) **Regional Director, Kendriya Hindi Sansthan, Delhi Centre, B-26A, Qutub Institutional Area, New Delhi-110016** for Delhi Centre
5. Application form will be accepted within last date as shown in the advertisement for the this session published in the Newspaper.

Fee Details of self-financed

Evening Courses running at Agra Headquarter

Post M.A. Diploma in Applied Hindi Linguistics/P.G. Diploma in Translation Theory and Practice

Head Office Agra			**Delhi Centre**		
Admission Fee	Rs.	1000.00	Admission Fee	Rs.	1000.00
Enrolment Fee	Rs.	500.00	Enrolment Fee	Rs.	500.00
Tuition Fee	Rs.	4500.00	Tuition Fee	Rs.	4500.00
Examination Fee	Rs.	1000.00	Examination Fee	Rs.	1000.00
Library Caution Money	Rs.	1000.00	Library Caution Money	Rs.	1000.00
		(Refundable)			(Refundable)
Magazines and Teaching Materials etc.	Rs.	500.00	Magazines and Teaching Materials etc.	Rs.	500.00
Extra Carricular Activities	Rs.	1500.00	Extra Carricular Activities	Rs.	1500.00
Total	**Rs.**	**10000.00**	**Total**	**Rs.**	**10000.00**

P.G. Diploma in Mass Media and Journalism

Head Office Agra			**Delhi Centre**		
Admission Fee	Rs.	500.00	Admission Fee	Rs.	1000.00
Enrolment Fee	Rs.	500.00	Enrolment Fee	Rs.	500.00
Tuition Fee	Rs.	6000.00	Tuition Fee	Rs.	12000.00
Examination Fee	Rs.	1000.00	Examination Fee	Rs.	1000.00
Library Caution Money	Rs.	1000.00	Library Caution Money	Rs.	1000.00
		(Refundable)			(Refundable)
Magazines and Teaching Materials etc.	Rs.	500.00	Magazines and Teaching Materials etc.	Rs.	500.00
Extra Carricular Activities	Rs.	500.00	Other Academic Activities	Rs.	2000.00
			Practical work	**Rs.**	2000.00
Total	Rs.	**10000.00**	**Total**	Rs.	**20000.00**

क्रमांक/ Sl. No.: .....

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा/दिल्ली केंद्र

CENTRAL INSTUTUE OF HINDI, AGRA/ DELHI CENTRE

सांध्यकालीन जनसंचार एवं पत्रकारिता/अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार/अनुप्रयुक्त

हिंदी भाषाविज्ञान पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी आवेदन-पत्र

Application Form for admission in Evening Courses: Mass Communication & Journalism/ Translation Theory and Practice/Applied Hindi Linguistics

1. पाठ्यक्रम का नाम.....
   Name of the Course.....
2. आवेदक का पूरा नाम.....
   Aplicant's Full name (In Block Letters).....
3. पिता/पति/संरक्षक का नाम, व्यवसाय और पता
   (Name, occupation & address of Father/Husband/Guardian)
   .....
   .....
   .....
   .....

4. जन्म तिथि (Date of Birth).....
5. मातृभाषा (Mother Tongue).....
6. पत्राचार के लिए पता (Address for correspondence)
   (क) वर्तमान पता (Present Address).....
   .....दूरभाष(Phone).....
   (ख) स्थायी पता (Permanent Address).....
   .....दूरभाष(Phone).....
7. राष्ट्रीयता (Nationality).....
8. आवेदक का व्यवसाय (कार्यालय/संस्था/विश्वविद्यालय का नाम और पता)
   (Occupation of Applicant- Office/Institute/University Name and Address)
   .....
   .....
   ..... दूरभाष(Phone).....
9. (क) क्या आप अनुसूचित जाति/जनजाति/अन्य पिछड़ी जाति के सदस्य हैं?
   (Whether member of SC/ST/OBC?).....

(ख) क्या आप शारीरिक रूप से विकलांग हैं/क्या आप भूतपूर्व सैनिक हैं?
(Are you physically challenged or Ex-armyman?).....
यदि हाँ, तो आवश्यक प्रमाण पत्र संलग्न करें (If yes, attach necessary documents.)

10. मातृभाषा के अतिरिक्त आप कौन सी भाषाएँ जानते हैं, (वाचन, लेखन आदि कौशल का संकेत करें)
(Language known other than mother tongue, (indicate about Reading, Writting Skills)
.....
.....

11. **शैक्षिक योग्यताएँ (Educational Qualifications)**
प्रमाणपत्रों की स्वप्रमाणित प्रतियाँ संलग्न करें (Attach self attested copies of documents)

उत्तीर्ण परीक्षा का नाम Name of Qualified Exam	**वर्ष Year**	**श्रेणी Division**	**प्रतिशत Percentage**	**बोर्ड/विश्वविद्यालय Board/University**

घोषणा पत्र (Declaration Certificate)

मैं यह घोषणा करता/करती हूँ कि ऊपर दी गई सूचना मेरी जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य है। यदि मुझे प्रवेश दिया जाता है तो मैं संस्थान के सभी नियमों का पालन करूँगा/करूँगी।

I declare that above given information are true to my knowledge & beliefs. If I am admitted, I will follow all the rules & regulations of the Institution.

तारीख : **स्थान :** **आवेदक के हस्ताक्षर**
Date : **Place :** **Signature of Applicant**

केवल कार्यालय प्रयोग के लिए
(Only for office use)

आवेदन पत्र प्राप्ति की तारीख (Date of receiving Applicatipn Form).....
आवेदन शुल्क की स्थिति (status application form).....
प्रवेश परीक्षा के लिए पात्रता की स्थिति (Status of eligibility for Entrance examination)
.....

प्रवेश सहायक **कुलसचिव/क्षेत्रीय निदेशक**
Admission Assistant Registrar/Regional Director

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा/दिल्ली केंद्र

CENTRAL INSTUTUE OF HINDI, AGRA/ DELHI CENTRE

सांध्यकालीन जनसंचार एवं पत्रकारिता/अनुवाद सिद्धांत एवं व्यवहार/अनुप्रयुक्त
हिंदी भाषाविज्ञान पाठ्यक्रमों में प्रवेश संबंधी आवेदन-पत्र

Application form for admission in Evening Courses: Mass Communication & Journalism/ Translation Theory and Practice/ Applied Hindi Linguistics

प्रवेश-पत्र

(Admit Card)

1. पाठ्यक्रम का नाम ..... अनुक्रमांक.....
   Name of the Course..... Roll No.....
2. प्रवेशार्थी का नाम .....
   Name of the Applicant.....
3. पिता/पति का नाम .....
   Name of Father/Husband.....
4. पत्र व्यवहार का पता (Correspondence address).....
   .....
   .....
5. प्रवेश परीक्षा दिनांक ..... को प्रातः 10:30 बजे से 01:30 तक संस्थान भवन, आगरा/दिल्ली केंद्र में आयोजित होगी।
   Entrance exam will be held on.....from 10.30 am to 01.30 pm at the main building of the Institute, Agra/Delhi Centre.

कुलसचिव/क्षेत्रीय निदेशक
Registrar/Regional Director

आवश्यक निर्देश :

1. अनुक्रमांक को छोड़कर सभी कॉलम अभ्यर्थी द्वारा स्वयं भरे जाएँगे।
   All columns except the role number will be filled by the candidate himself/herself.
2. अभ्यर्थी इस प्रवेश-पत्र को भरकर आवेदन पत्र के साथ संलग्न करके निर्धारित अंतिम तिथि तक संस्थान में जमा कर दें, अन्यथा आपके आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।
   Candidates are required to submit the filled admit card to the Institute within the due date, otherwise your application form will not be considered.
3. आवेदन पत्र/प्रवेश पत्र में फोटो के स्थान पर नवीनतम पासपोर्ट साइज का फोटो चिपकाएँ। स्टेपल न करें।
   Affix the latest passport size photo on Application form/Admit card. Please do not staple.
4. निर्धारित प्रवेश परीक्षा तिथि को परीक्षा समय से 1 घंटा पूर्व अभ्यर्थी संस्थान के प्रवेश एवं परीक्षा विभाग से इस प्रवेश-पत्र को अवश्य प्राप्त कर लें।
   Candidate is advised to receive the Admit card from examination department on examination date before one hour of entrance examination.

अनापत्ति प्रमाण-पत्र

No objection certificate

(केवल उन प्रवेशार्थियों के लिए जो किसी संस्था/कार्यालय में कार्यरत हैं)

(Only for those entrants who are employed in any organization / office)

श्री/सुश्री .....
कार्यालय/संस्था.....में
.....के पद पर कार्यरत हैं। इनके
..... (पाठ्यक्रम का नाम) में प्रवेश पर इस संस्था/कार्यालय को कोई आपत्ति नहीं है।

Mr./Miss.....is working on the post of .....in Office/Insitute: .....This Office/Institute has no objection on his/her addmission in..... .....course.

अधिकारी के हस्ताक्षर/Signature of the officer

नाम एवं पदनाम/Name & designation

मोहर/Seal

तारीख/Date :

कार्यालय का पता/Office Address:

.....

.....

.....